आईआईआईटी-दिल्ली प्रदूषण की रोकथाम और स्वच्छ तकनीक को लेकर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा

नई दिल्ली, 1दिसंबर, 2021: इन्द्रप्रस्थ इन्सटीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी दिल्ली (आईआईआईटी-दिल्ली) (IIIT Delhi) प्रदूषण की रोकथाम और स्वच्छ तकनीकों को लेकर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन करने जा रहा है। इसके साथ ही "टेक्नोलॉजी एक्सचेंज के कारण उभरते पर्यावरण और ऊर्जा चुनौतियों पर ताइवान-भारत कार्यशाला" भी आयोजित की जाएगी। 6 और 7 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली, भारत में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में प्रसिद्ध शोधकर्ता, विद्वान, प्रतिनिधी और प्रमुख वक्ता एक मंच पर आकर, आर्थिक गतिविधियों के कारण पृथ्वी और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, इस बारे में चर्चा करेंगे।

प्रदूषण की रोकथाम और स्वच्छ तकनीक पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "नई और इनोवेटिव क्लीन तकनीकों" पर केंद्रित अप्रकाशित पत्रों को भी एक मंच प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता और सह-अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ अशोक पांडे (CSIR- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टाक्सिकालजी रिसर्च, इंडिया), डॉ इंगुन वेस्टविक जोल्मा (यूनिवर्सिटी ऑफ स्टवान्गर, नॉर्वे), प्रो डॉ चिउ-यू लिन (फेंग चिया यूनिवर्सिटी, ताइवान), और प्रो. डॉ. चिन-सान वांग (नेशनल इलान यूनिवर्सिटी, ताइवान) द्वारा की जाएगी।

डॉ. देबरका सेनगुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईआईटी-दिल्ली ने कहा, "आईआईआईटी-दिल्ली को प्रदूषण की रोकथाम और स्वच्छ तकनीकों पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से जुड़े होने पर बेहद गर्व है। यह आयोजन एक ऐसा मंच प्रदान करेगा जहां इनोवेटिव क्लीन प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की जाएगी। ये इनोवेटिव तकनीक आर्थिक विकास गतिविधियों के कारण पैदा होने वाले अपशिष्ट जोखिम को कम कर सकती हैं। इस मंच पर टिकाऊ संसाधनों में बदलाव, ऊर्जा दक्षता में सुधार और सस्टेनेबल मैन्यूफेक्चरिंग सिस्टम को डिजाइन करने पर भी चर्चा की जाएगी। यह आयोजन सभी संभावित समाधानों के बारे में विचार-विमर्श करने के लिए एक आदर्श अंतरराष्ट्रीय मंच होगा। हम यह भी आशा करते हैं कि यह आयोजन इस बात पर एक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा कि वैश्विक कार्बन पदचिह्न को रणनीतिक रूप से कैसे कम किया जा सकता है

ICPPCT अपनी तरह का पहला आयोजन होगा, जो गंभीर पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के लिए तकनीक और इनोवेशन का सहारा लेगा। प्रमुख वक्ता और शोधकर्ता प्रदूषण की रोकथाम तकनीक के विभिन्न पहलुओं पर विचार करते हुए, इस बात की भी जानकारी देंगे कि जलवायु और पृथ्वी पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए कैसे इनोवेटिव क्लीन तकनीकों का विनिर्माण, औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों में विस्तार किया जा सकता है। विद्वान और शोधकर्ता कार्बन-तटस्थ उत्पादों के उत्पादन और नए दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए नए अग्रणी वित्तीय मॉडल खोजने जैसे प्रमुख बिंदुओं पर एक दूसरे के साथ सीधे बातचीत कर सकते हैं।

डॉ गोपालकृष्णन कुमार, स्टवान्गर विश्वविद्यालय, नॉर्वे ने कहा, "ऐसे समय में जब हम जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण के स्तर जैसे पहलुओं पर चर्चा कर रहे हैं, ICPPCT दुनिया के लिए नए विचारों और इनोवेशन खोजने का एक बड़ा अवसर होगा। यह आयोजन पर्यावरण अर्थशास्त्र, अपशिष्ट प्रबंधन और स्थिरता के लिए बहु-मानदंड निर्णय लेने वाले मॉडल के साथ, सस्टेनेबल इन्वायरंमेंटल मैनिजमेंट सिस्टम (SEMS) डिजाइनों पर चर्चा करने के लिए भी जगह प्रदान करेगा और हमें उम्मीद है कि ICPPCT दुनिया के लिए नवीन पर्यावरण नीतियों को निर्धारित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।"

विश्व-प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के मुख्य भाषणों में "वेस्ट टू वेल्थ: संसाधन पुनर्प्राप्ति और स्थिरता", "माइक्रोप्लास्टिक्स और नैनोप्लास्टिक प्रदूषण और उन्मूलन: पर्यावरणीय स्थिरता के लिए अपशिष्ट प्रबंधन का एक नया प्रतिमान" और भी बहुत से विषयों पर वार्ता की जाएगी और विचार साझा किए जाएंगे।

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट (http://icppct.com/) पर जा सकते हैं। आयोजन के लिए विभिन्न विषयों से संबंधित पेपर आमंत्रित किए जा रहे हैं, जिसके बारे में वेबसाइट पर जानकारी दी गई है।